खण्ड **4** । अंक **2** । जुलाई, 2017 **ISSN 2454-6267**

प्रतिभा की खोज In search of talent
कृ.वै.च.मं.
कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
AGRICULTURAL SCIENTISTS RECRUITMENT BOARD

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

कृ.वै.च.मं. समाचार

WWW.ASRB.ORG.IN

भाकृअनुप ICAR

अध्यक्ष की कलम से

इस अंक में

अध्यक्ष की कलम से 1
वर्तमान उपलब्धियां 2
सीधी भर्ती / पार्श्व प्रवेश 2
प्रतियोगिता परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती 2
- कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा–2016
- राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2017 (1)
- तकनीकी सहायक (टी–3) के लिए सामान्य लिखित परीक्षा 2016
- सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा

कैरियर एडवांसमैंट स्कीम 4
सम्मान/पुरस्कार 4
महत्वपूर्ण समितियां/बैठकें/घटनाएं 5
- कृ.वै.च.मं. बोर्ड की बैठकें
- राजभाषा की प्रगति
- नराकास की अर्धवार्षिक बैठक

महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विचार-विमर्श तथा स्टेक होल्डरों से पारस्परिक चर्चाएं 6
प्रस्तावित गतिविधियां 8
- कृषि अनुसंधान सेवा–2016 मुख्य परीक्षा
- परिषद् के संस्थानों के लिए अवर श्रेणी लिपिक पदों की ऑनलाइन परीक्षा
- परिषद् के मुख्यालय एवं इसके संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्र सहित, के लिए अवर श्रेणी लिपिक एवं आशुलिपिक ग्रेड-III की ऑनलाइन परीक्षा
- सीधी भर्ती हेतु आवेदन पत्र
- सीधी भर्ती के लिए कंप्यूटरिकृत स्क्रीनिंग सिस्टम
- ए.आर.एस. वाईवा वोसे

कार्मिक समाचार 8

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय तथा देश भर में फैले इसके अनुसंधान संस्थानों में उत्कृष्ट वैज्ञानिकों तथा अन्य प्रबंधन कार्मिकों की नियुक्ति में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त मंडल, मानव संसाधनों के प्रवेश तथा एआरएस कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के लिए कैरियर एडवांसमेंट स्कीम सहित उनके विकास संबंधी नीतियों की तैयारी तथा कार्यान्वयन में परिषद को सहायता एवं सुझाव देता है।

इस अवधि के दौरान मंडल ने वैज्ञानिक कैडर में पार्श्व प्रवेश द्वारा 15 अनुसंधान प्रबंधन पद तथा गैर अनुसंधान प्रबंधन के मध्यस्तरीय पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर लिया है।

कृषि अनुसंधान एवं वैज्ञानिकों के संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के समयबद्ध कार्यान्वयन के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक पदों पर पदोन्नति के लिए 51 विषय क्षेत्रों से संबंधित 177 प्रस्तावों का मूल्यांकन प्रक्रिया भी पूर्ण कर लिया गया है। कुल 51 विषय क्षेत्रों में से 8 विषय क्षेत्रों को छोड़कर शेष विषय क्षेत्रों में उम्मीदवारों की शत–प्रतिशत पदोन्नति हुई।

कृषि अनुसंधान सेवा (प्रारम्भिक परीक्षा) 2016 तथा नेट 2017 (I) की संयुक्त परीक्षा 31 विषय क्षेत्रों के अंतर्गत 180 पदों के लिए 16–21 मई, 2017 के दौरान ऑनलाइल पद्धति से आयोजित की गई है। नेट 2017 (I) परीक्षा में कुल 6987 (22.45%) उम्मीदवार सफल हुए हैं।

17 जुलाई, 2016 को आयोजित तकनीकी सहायक (टी–3) परीक्षा का परिणाम संबंधित संस्थानों को भेज दिया गया है।

सहायक तथा उच्च श्रेणी लिपिक पदों के लिए क्रमशः 7–8 फरवरी, 2017 तथा 21 फरवरी, 2017 के दौरान 2 सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों में सीधी भर्ती के माध्यम से अवर श्रेणी लिपिक पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा का आयोजन अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में निर्धारित है। भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में सीधी भर्ती के माध्यम से अवर श्रेणी लिपिक तथा आशुलिपिक

ग्रेड–III पदों के लिए अन्य परीक्षाओं का आयोजन निकट भविष्य में निर्धारित है।

बेहतरी की संभावनाएं सदैव बनी रहती हैं। हमारे प्रयासों में सुधार हेतु मैं आपके फीड बैक की आपेक्षा करता हूं।

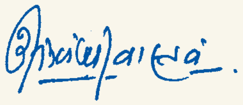

(ए.के. श्रीवास्तव)
अध्यक्ष

वर्तमान उप्लब्धियाँ

सीधी भर्ती/पार्श्व प्रवेश

इस अवधि के दौरान मंडल द्वारा निदेशक के 8 पद, परियोजना समन्वयक के 2 पद तथा प्रभागाध्यक्षों के 5 पद कुल 15 पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों की सिफारिशें की गई। विज्ञापन संख्या 3/2016, 4/2016, 5/2016, 1/2017 तथा 2/2017 के माध्यम से विज्ञापित शेष पदों की नियुक्ति प्रक्रिया जारी है।

प्रतियोगिता परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा-2016

भारत के 23 परीक्षा केन्द्रों में 31 विषय क्षेत्रों से संबंधित 180 रिक्त पदों के लिए कृषि अनुसंधान सेवा (प्रारम्भिक परीक्षा) 2016 तथा नेट 2017 (I) संयुक्त परीक्षा का आयोजन 16–21 मई, 2017 के दौरान ऑनलाइन पद्धति से किया गया है। परीक्षा के लिए कुल 21,740 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराए जिनमें से 16,011 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए। भारत के 12 परीक्षा केन्द्रों में 8 जुलाई, 2017 को आयोजित कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा (मुख्य) के लिए कुल 2,563 (16%) उम्मीदवार सफल हुए हैं।

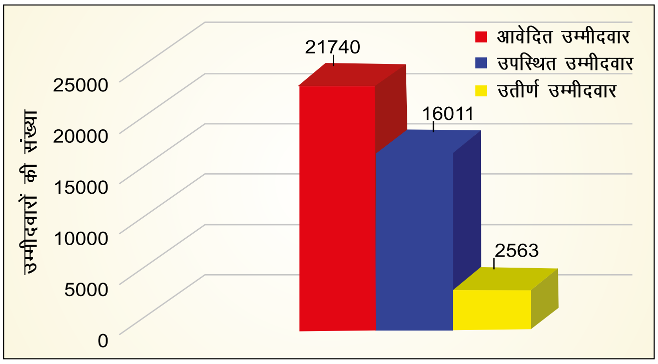

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा–2016 का विवरण

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा-2017(I)

इस परीक्षा के लिए कुल 42,937 उम्मीदवारों ने पंजीकरण करवाए और 31,127 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए। इनमें

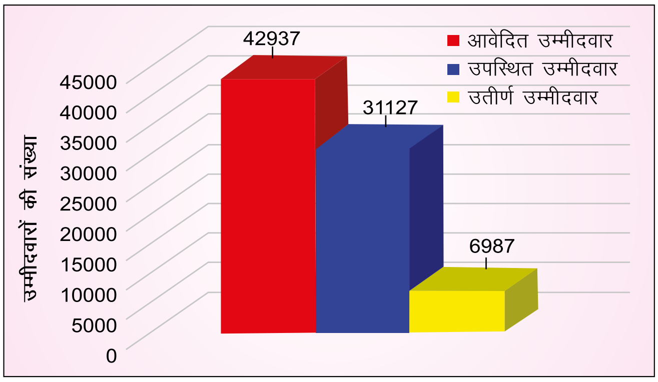

नेट–2017 परीक्षा का विवरण

से कुल 6,987 (22.45%) उम्मीदवारों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

परीक्षा में पंजीकृत तथा उपस्थित उम्मीदवारों का प्रमुख विषय क्षेत्रवार विवरण निम्नवत है:

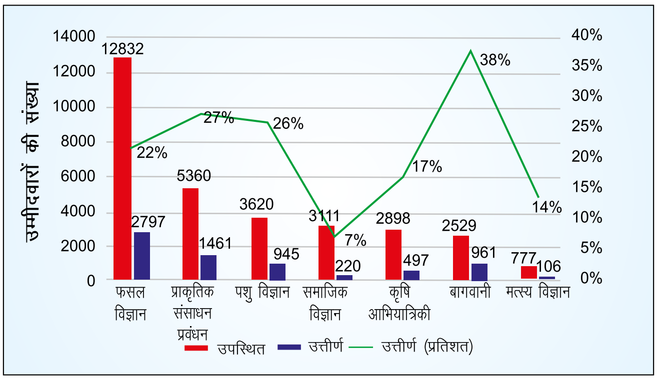

उम्मीदवारों का प्रमुख विषय क्षेत्रवार विवरण

सफल उम्मीदवारों का अधिकतम प्रतिशत पशु अनुवांशिकी एवं प्रजनन (79%) विषय क्षेत्र में रहा है और इसके बाद का स्थान पुष्प उत्पादन एवं भू–दृश्य निर्माण (58.20%), मत्स्य पोषण (52.00%), कुक्कुट विज्ञान (48.57%),पशुचिकित्सा एनाटोमी (47.37%), पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान (46.15%) विषय क्षेत्रों का रहा है जबकि सफल उम्मीदवारों का निम्नतम प्रतिशत कृषि व्यापार प्रबंधन

(0.24%) विषय क्षेत्र में रहा है। 8 विषय क्षेत्रों में नामतः कृषि जैव प्रोद्यौगिकी, आर्थिक वनस्पति विज्ञान एवं पादप अनुवांशिक संसाधन, सूत्रकृमि विज्ञान, मसाले, रोपण तथा औषधीय एवं सुगंधीय पादप, पशु चिकित्सा शल्यक्रिया, कृषि व्यापार प्रबंधन, कृषि विस्तार एवं गृह विज्ञान विषय क्षेत्रों में सफलता दर 5 प्रतिशत से भी कम रहा है। मत्स्य स्वास्थ्य विषय क्षेत्र में 49 उम्मीदवार परीक्षा हेतु उपस्थित हुए हैं परन्तु एक भी उम्मीदवार सफल नहीं हुआ है।

- आंकड़े दर्शाते हैं कि सफल 6,987 उम्मीदवारों में से 776 (11%) उम्मीदवार मानद विश्वविद्यालयों आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली; आई.वी.आर.आई., इज्जतनगर; एन.डी.आर.आई., करनाल; सी.आई.एफ.ई., मुम्बई तथा सैम हिगिनवोटम इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नॉलोजी एण्ड साइंस) से, 2016 (29%) उम्मीदवार 10 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (टी.एन.ए.यू., कोयम्बटूर; यू.ए.एस., बैंगलोर; जी.बी.पी.यू.ए. एवं टी, पंतनगर; यू.ए.एस., धारवाड; आई.जी.के.वी., रायपुर; ए.एन.जी.आर.ए.यू. हैदराबाद; सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार; पी.ए.यू., लुधियाना; ओ.यू.ए. एवं टी., भुवनेश्वर; बी.सी.के.वी., नदिया) से तथा 2,636 (38%) उम्मीदवार शेष कृषि विश्वविद्यालयों से, 151 (2%) उम्मीदवार केन्द्रिय कृषि विश्वविद्यालयों से, 1,408 (20%) उम्मीदवार कृषि संकाय वाले अन्य सामान्य विश्वविद्यालयों से है।

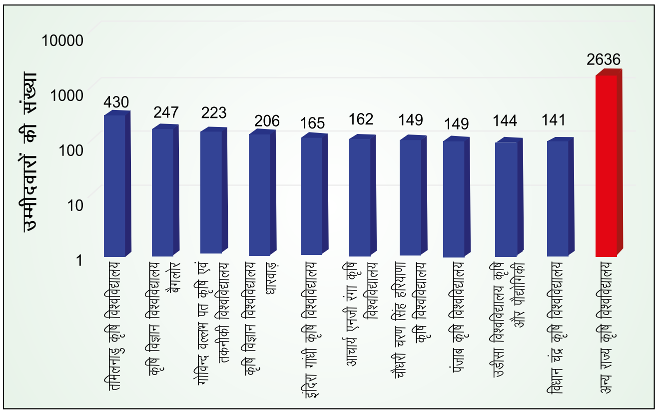

नेट–2017 परीक्षा में उम्मीदवारों का विश्वविद्यालयवार निष्पादन

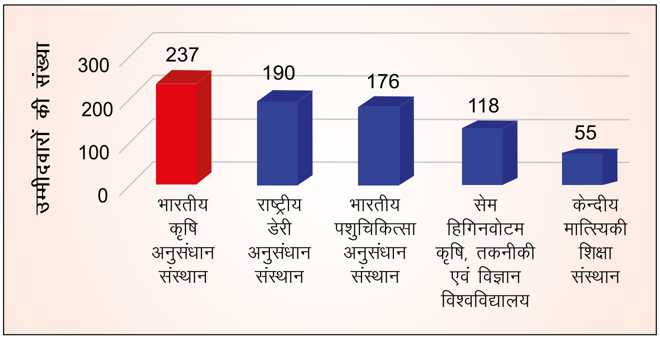

नेट परीक्षा–2017 में भा.कृ.अनु.प. के मानद विश्वविद्यालयों का निष्पादन

- सफल 6,987 उम्मीदवारों में से लगभग 68% सफल उम्मीदवार 11 राज्यों (कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडू, राजस्थान, महाराष्ट्र,

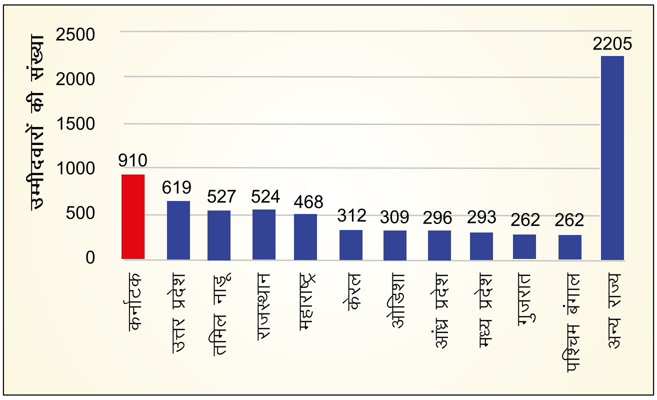

नेट परीक्षा–2017 में राज्यवार निष्पादन

केरल, ओडिशा, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात तथा पश्चिम बंगाल) से हैं। गोवा से केवल एक उम्मीदवार सफल हुआ है।

- सफल 6,987 उम्मीदवारों में से 45% उम्मीदवार महिलाएं हैं

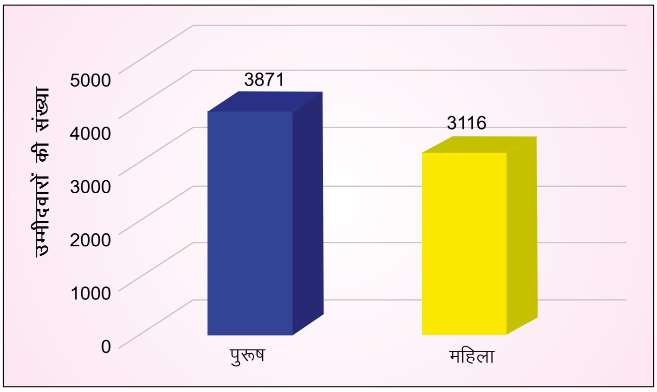

नेट–2017 परीक्षा में सफल महिलाओं एवं पुरुषों का विवरण

- सफल 6,987 उम्मीदवारों में से 64% उम्मीदवार ग्रामीण क्षेत्रों से हैं

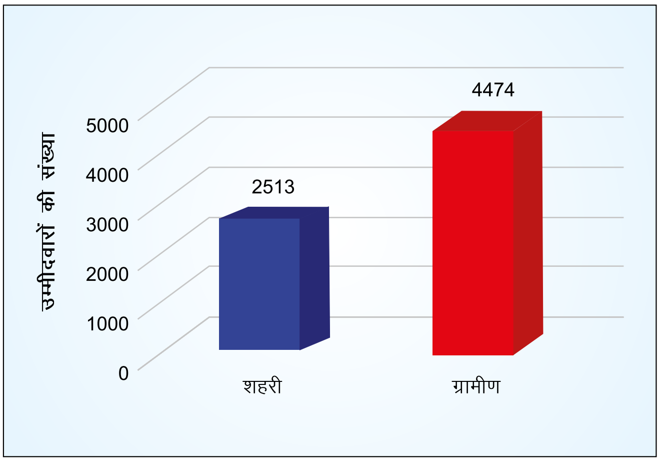

नेट परीक्षा–2017 के सफल उम्मीदवारों का क्षेत्रवार विवरण

तकनीकी सहायक (टी-3) पदों के लिए सामान्य लिखित परीक्षा-2016

भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों में तकनीकी सहायकों (टी–3) पदों पर भर्ती हेतु 17 जुलाई, 2016 को देश के 27 केन्द्रों में आयोजित सामान्य लिखित परीक्षा के अंतिम परिणामों को संबंधित संस्थानों को प्रेषित कर दिया गया है।

सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षाएं

इस अवधि के दौरान सहायक तथा उच्च श्रेणी लिपिकी पदों के लिए क्रमशः 7–8 फरवरी, 2017 तथा 21 फरवरी, 2017 को दो परीक्षाओं का आयोजन किया गया। परीक्षाओं का विवरण निम्नवत् हैः

श्रेणी	रिक्तियां	आवेदकों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवार	भरे गए पद
सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा–2016				
सहायक	06	10	10	06
उच्च श्रेणी लिपिक	04	04	04	शून्य

कैरियर एडवांसमेन्ट स्कीम (सी.ए.एस.)

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के स्तर पर कैरियर एडवांसमेन्ट स्कीम के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिकों के पदों पर पदोन्नति हेतु वरिष्ठ वैज्ञानिकों के 177 प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन पदोन्नति के संदर्भ में निष्पादन दर 90% रहा है और इसके अतिरिक्त 4% उम्मीदवारों की अस्थगित पदोन्नतियों के लिए सिफारिशें दी गई हैं।

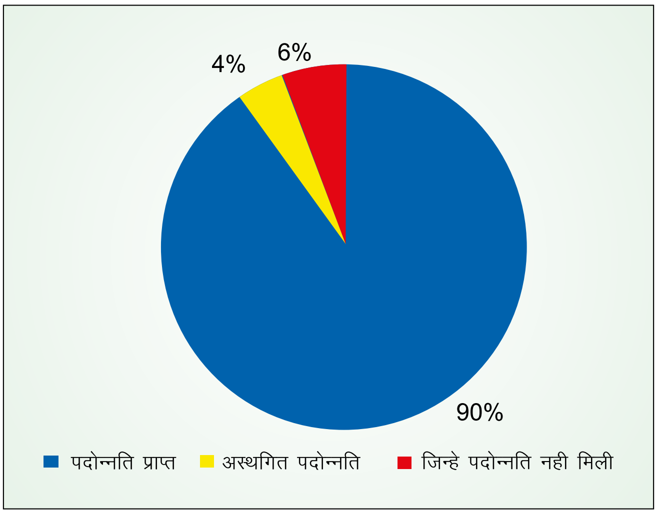

कैरियर एडवांसमेन्ट स्कीम के अंतर्गत मूल्यांकनों का विवरण

सफल उम्मीदवारों में से 30% उम्मीदवारों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं और लगभग 47% उम्मीदवारों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। केवल 6% उम्मीदवारों को 73% अंकों से कम

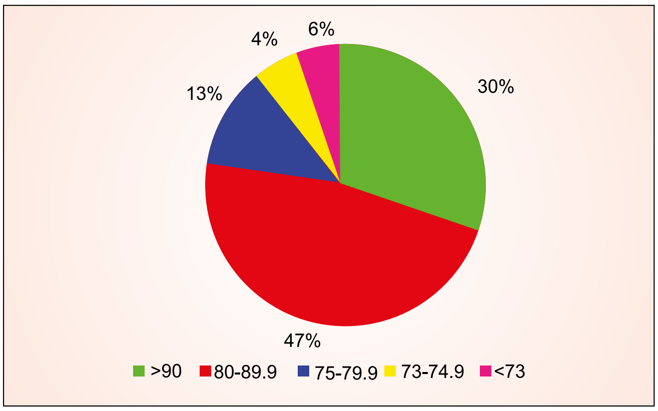

पदोन्नति के लिए मूल्यांकित उम्मीदवारों का निष्पादन

अंक प्राप्त हुए हैं। इससे भा.कृ.अनु.प. की अनुसंधान प्रणाली की सुदृढता का सकारात्मक छवि प्रतिबिंबित होती है।

आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 51 विषय क्षेत्रों में से 8 विषय क्षेत्रों नामतः कृषि अर्थशास्त्र, कृषि कीटविज्ञान, जैव रसायनिकी (ए.एस.), जैव प्रोद्योगिकी (पी.एस.), फार्म मशीनरी एवं पावर, मात्स्यिकी विज्ञान, पादप कार्यिकी तथा मृदा रसायनिकी/उरवर्ता/माईक्रोबायोलोजी को छोड़कर सभी विषय क्षेत्रों में शत–प्रतिशत पदोन्नति हुई।

सम्मान/पुरस्कार

पैट्रनशिप अवार्ड

इंडियन डेरी एसोसिएशन ने प्रोफेसर (डॉ.) ए.के. श्रीवास्तव को 16 फरवरी, 2017 को इंडियन डेरी एसोसिएशन के पैट्रनशिप अवार्ड से सम्मानित किया।

उत्कृष्ट निष्पादन पुरस्कार

इस अवधि के दौरान कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को राजभाषा की प्रगति एवं कार्यान्वयन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) से 30 जून, 2017 को छोटे कार्यालयों के वर्ग में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

परीक्षा नियंत्रक, उपसचिव तथा डॉ. सुरेश पाल, मुख्य तकनीकी अधिकारी, कृ.वै.च.मं. द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करते हुए

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों के दृश्य

महत्वपूर्ण समितियां/बैठकें/घटनाएं

कृ.वै.च.मं. की बोर्ड बैठकें

इस अवधि के दौरान मंडल ने तीन बैठकें दिनांक 6 फरवरी, 2017, 5 अप्रैल, 2017 तथा 9 मई, 2017 को आयोजित की गईं जिनमें सीधी भर्ती/पार्श्व प्रवेश, विभिन्न पदों के लिए परीक्षाओं तथा कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत वैज्ञानिकों के मूल्यांकन संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों तथा पहलुओं पर चर्चाएं की गईं।

राजभाषा की प्रगति

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें

राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार मंडल में 27 मार्च, 2017 एवं 28 जून, 2017 को दो बैठकों का आयोजन किया। इन बैठकों में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चाएं की गईं एवं निर्णय लिए गए।

31 मार्च, 2017 को समाप्त तिमाही की रिपोर्ट दर्शाती है कि –

- समग्र रूप से धारा 3(3) तथा 'क' और 'ख' क्षेत्र से प्राप्त पत्रों के उत्तर के संदर्भ में कृ.वै.च.मं. का निष्पादन शत–प्रतिशत रहा है।
- मंडल द्वारा 'क' क्षेत्र से 91.85%, 'ख' क्षेत्र से 94.28% तथा 'ग' क्षेत्र से 94.11% पत्राचार हिन्दी में किया गया है जबकि 'ग' क्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्य 65% है।
- फाइलों पर हिन्दी में टिप्पणी लेखन के संदर्भ में मंडल का समग्र निश्पादन 82.97% है जबकि इसके लिए निर्धारित लक्ष्य 75% है।
- 31 दिसम्बर, 2016 को समाप्त तिमाही रिपोर्ट के आधार पर मंडल द्वारा क, ख और ग क्षेत्र के साथ हिन्दी में किए गए पत्राचार तथा हिन्दी में टिप्पण लेखन हेतु श्रीमती सीमा चोपड़ा, निदेशक (राजभाषा), भा.कृ.अनु.प. ने पत्र संख्या 12(98)/2013–हिन्दी, दिनांक 7 मार्च, 2017 के द्वारा मंडल की सराहना की।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) और इसकी अध्यक्षता का कार्यभार डॉ. गुरबचन सिंह, तत्कालीन अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को दिया था। इस समिति में भारत सरकार के 45 कार्यालय सदस्य हैं। कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति के पश्चात् प्रो. (डॉ.) ए.के. श्रीवास्तव, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस अवधि के दौरान समिति की गतिविधियां निम्नवत् हैं:

राजभाषा सम्मेलन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) ने भा.कृ.अनु.प. – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के सहयोग से 12 अप्रैल, 2017 को अपने सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया। डॉ. सत्य नारायण जटिया, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) एवं उपाध्यक्ष संसदीय राजभाषा समिति उदघाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. बिपिन बिहारी, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, नराकास (उत्तरी दिल्ली) एवं कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, डॉ. जे.एस. संधू, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भा.कृ.अनु.प., डॉ. के.वि. प्रभु, संयुक्त निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान तथा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। सम्मेलन में 44 सदस्य कार्यालयों से कुल 225 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन में राजभाषा के नियमों की विस्तृत व्याख्या के लिए एक लघु नाटक सहित कुल पांच सत्रों की व्यवस्था की गई।

मंच पर मुख्य अतिथि माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) एवं उपाध्यक्ष संसदीय राजभाषा समिति तथा अन्य उच्च अधिकारीगण

नराकास (उत्तरी दिल्ली) की बैठक का एक दृश्य

हिन्दी निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

समिति के सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 15 जून, 2017 को 3 केन्द्रों में हिन्दी निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 49 सदस्य कार्यालयों के 69 सदस्यों ने भाग लिया। इनमें से 9 विजेताओं को 30 जून, 2017 को सम्पन्न नराकास की अर्धवार्षिक बैठक में नगद पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र दिए गए।

नराकास (उत्तरी दिल्ली) की अर्धवार्षिक बैठक

वर्ष, 2017–18 के लिए नराकास की पहली बैठक 30 जून, 2017 को एन.ए.एस.सी. परिसर, में आयोजित की गई, श्रीमती अरूण कमल, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, रक्षा भू–भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। कुल 52 सदस्य कार्यालयों में से 46 कार्यालयों ने बैठक में भाग लिया। कार्यालयों/संस्थानों के 22 प्रमुखों/निदेशकों सहित कुल 91 सदस्य बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में राजभाषा विभाग की ओर से श्री संदीप आर्य, निदेशक (कार्यान्वयन) तथा श्री प्रमोद कुमार शर्मा, उपनिदेशक (कार्यान्वयन) बैठक में उपस्थित हुए। बैठक में 38 सदस्य कार्यालयों के अर्धवार्षिक रिपोर्टों की समीक्षा प्रस्तुत की गई तथा राजभाषा के सुचारू रूप से कार्यान्वयन के लिए सदस्य कार्यालयों को लिखित सुझाव दिए गए। बैठक में पत्रिका के प्रकाशन सहित कुल छः मदों पर चर्चा की गई एवं निर्णय लिए गए। श्री संदीप आर्य, निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग ने सभा को सम्बोधित किया एवं समीक्षा के प्रस्तुतिकरण की सराहना की। श्री प्रमोद शर्मा, उपनिदेशक (कार्यान्वयन) ने भी सभा को संबोधित किया। सदस्य कार्यालयों को उत्कृष्ट कार्यान्वयन तथा उनके द्वारा प्रकाशित उत्कृष्ट पत्रिका के लिए पुरस्कार दिए गए। नराकास (उत्तरी दिल्ली) के अध्यक्षीय कार्यालय कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। श्री केशव देव, उपनिदेशक (राजभाषा), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की समाप्ति हुई।

महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विचार-विमर्श तथा स्टेक होल्डरों से पारस्परिक चर्चाएं

अध्यक्ष

- भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर में 4 जनवरी, 2017 को आयोजित ''राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन मेला'' में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- बीकानेर में ''जलवायु अनुकूल लवणीय कृषि; सतत जीविका सुरक्षा'' विषय पर आयोजित 5वें राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए एवं भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र बागवानी अनुसंधान संस्थान, बीकानेर का दौरा किया।

बीकानेर में 5वें राष्ट्रीय सेमिनार के प्रतिभागियों को सम्बोधन

- जेसलमेर में आयोजित जागृति अभियान सह उष्ट्र मेले में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- बीकानेर में 21–22 जनवरी, 2017 के दौरान ''वर्ष, 2030 में मानव आहार की आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में कृषि में मानव संसाधन विकास के महत्व'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- जी.जी.एन. खालसा कॉलेज, लुधियाना में 30 जनवरी, 2017 को ''कृषि प्रवृतियां एवं प्रौद्योगिकियां'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में गेस्ट ऑफ हॉनर के रूप में उपस्थित हुए एवं की–नोट व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- मार इवानियोस महाविद्यालय, तिरूवनंतपुरम के शासी परिषद की 13 फरवरी, 2017 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

- कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में 17 फरवरी, 2017 को ''जैव विविधता एवं पादप संसाधनों का सतत उपयोग'' विषय पर आयोजित स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र में की–नोट व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- हैदराबाद में 20 फरवरी, 2017 को आयोजित इंटर ड्राट–5वें सम्मेलन में भाग लिया तथा ''सेटिंग द बायोफिजिकल कान्टेस्ट: क्लाइमेटिक/सोइल कांस्ट्रेन्टस'' विषयक सत्र की सह अध्यक्षता की।
- यू.ए.एस., रायचूर में 21 फरवरी, 2017 को ''ग्रामीण जीविका के सुधार के लिए सतत खाद्य प्रणालियों में कृषि नवाचार'' विषय पर दूसरे राष्ट्रीय युवा अधिवेशन में भाग लिया तथा एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।

- ग्वालियर में 3 मार्च, 2017 को ''चारागाह संसाधनों का प्रबंधन तथा 21वीं सदी में पशुधन उत्पादकता: चुनौतियां एवं अवसर'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठि में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया तथा श्री पी.एम. दाबदघाव स्मारक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- एन.डी.आर.आई., करनाल तथा सी.आई.पी.एच.ई.टी., लुधियाना में नेट एवं ए.आर.एस. ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा 11–13 मई, 2017 के दौरान किया।

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं.

- दिनांक 18–22 जनवरी, 2017 के दौरान बीकानेर के एस.के.आर. ए.यू. में आयोजित द्विवार्षिक कार्यशाला का उदघाटन किया तथा भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र बागवानी संस्थान, बीकानेर का दौरा किया।
- दिनांक 17–19 फरवरी, 2017 के दौरान ''हार्नेसिंग क्ले साईंस फोर हयूमन वेलफेयर'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन तथा 20वां वार्षिक अधिवेशन का उदघाटन किया तथा भा.कृ.अनु.प.–एन.बी. एस.एस.एल.यू.पी., नागपुर का दौरा किया।

मुख्य अतिथि के रूप में कृ.वै.च.मं. सदस्य द्वारा संबोधन

- यू.ए.एस., बैंगलोर में 22–23 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित 13वां एग्रीकल्चरल साईंस कांग्रेस में ''मिटिगेटिंग क्लाइमेट चेंज कार्बन सिक्वेस्टरेशन'' विषय सत्र की अध्यक्षता की।
- दिनांक 31 मार्च – 4 अप्रैल, 2017 के दौरान भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, धारवाड का दौरा किया।

वैज्ञानिकों के साथ वार्तालाप

- ए.आर.एस.–2016 तथा नेट–2017 (I) परीक्षाओं के लिए एस.के. यू.ए.एस.टी., जम्मू में की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण 11–13 मई, 2017 के दौरान किया।
- ए.आर.एस.–2016 तथा नेट–2017 (I) परीक्षाओं के लिए भा.कृ.अनु.प. –भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून में की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण 18–20 मई, 2017 के दौरान किया।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

इस अवधि के दौरान मंडल में पार्श्व प्रवेश/परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियों के विभिन्न पहलुओं तथा वैज्ञानिकों के मूल्यांकन से संबंधित 179 अनुरोध प्राप्त हुए। मंडल ने सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त विभिन्न अनुरोधों तथा अपीलों का संतोषजनक एवं कुशलतापूर्वक निर्धारित समय अवधि में सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निपटान किया।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- कृषि वैज्ञानिक सेवा –2016 की मुख्य परीक्षा : 8 जुलाई, 2017 को पूरे देश में 12 केन्द्रों पर।
- ए.आर.एस वाइवा वोसी : अक्टूबर/नवम्बर, 2017।
- भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के संस्थानों के अवर श्रेणी लिपिक के पदों की भर्ती के लिए कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा एक सामान्य प्रतियोगी परीक्षा पूर्ण रूप से ऑनलाइन पद्यति से विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर अक्टूबर, 2017 के अंतिम सप्ताह में आयोजित करना प्रस्तावित है।
- भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् मुख्यालय के लिए अवर श्रेणी लिपिक तथा आशुलिपिक ग्रेड–3 भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय तथा इसके संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए पदों पर भर्ती परीक्षा पूर्ण रूप से ऑनलाइन पद्यति द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर अक्टूबर, 2017 के अंतिम सप्ताह में आयोजित करना प्रस्तावित है ।
- मुख्यालय द्वारा संशोधित स्कोर कार्ड के आधार पर सीधी भर्ती/पार्श्व प्रवेश का आवेदन प्रपत्र तैयार किया जा रहा है ।
- सीधी भर्ती के लिए कम्प्यूटरीकृत स्क्रीनिंग सिस्टम तैयार किया जा रहा है।

कार्मिक समाचार

कार्यभार ग्रहण

- श्रीमती सीमा बम्मी, प्रधान निजी सचिव ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानांतरण पर 22 मार्च, 2017 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्रीमती सीमा, निजी सचिव ने भा.कृ.अनु.प. से स्थानांतरण पर 23 मार्च, 2017 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री राकेश कुमार शर्मा, उच्च श्रेणी लिपिक ने भा.कृ.अनु.प. से स्थानांतरण पर 05 जून, 2017 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री रविंदर सिंह रावत, उच्च श्रेणी लिपिक ने भा.कृ.अनु.प. से स्थानांतरण पर 05 जून, 2017 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।

स्थानांन्तरण

- श्रीमती सीमा, निजी सचिव का स्थानांन्तरण कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय को दिनांक 15 जून, 2017 को किया गया।

सेवानिवृति

- डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को उनकी स्वैच्छिक सेवानिवृति के आवेदन पर दिनांक 26 मई, 2017 को सेवानिवृत किया गया।

डॉ. गुरबचन सिंह को उनके स्वैच्छिक सेवानिवृति पर बोर्ड द्वारा सम्मानित किया गया

संपादन मंडल

प्रकाशक:
प्रोफ. (डॉ.) ऐ.के. श्रीवास्तव
अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

संकलन एवं सम्पादन:
श्री जे. रवि, सचिव, कृ.वै.च.मं.
डॉ. सुरेश पाल, मुख्य तकनीकी अधिकारी
श्री पी.आर. राव, उपनिदेशक (राजभाषा)

सहायता:
श्री चितेश कौशिक
श्री खूबराम

ई–मेल: secretaryasrb2011@gmail.com
दूरभाष: 011–25848172
फैक्स: 011–25840251

अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, कृषि अनुसंधान भवन–1, पूसा, नई दिल्ली–110012, दूरभाष संख्या 011–25846730 द्वारा प्रकाशित। मेसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए–89/1, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, नई दिल्ली–110028 के द्वारा लेजरटाइपसेट एवं मुद्रित।
डिजाइन एवं प्रोडक्शन: डॉ वी.के. भारती और पुनीत भसीन